परिचय – महाराष्ट्र राज्य के ठाणे जिले के जवहार तहसील स्थित ग्राम कोकदा में निवासरत कोंकणा जनजाति में पौराणिक पात्रों के सोहंग (मुखोटे) बोहाडा नृत्य हेतु बनाने की परंपरा है। यह नृत्य युवा पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिकरण एवं समाजीकरण की प्रक्रिया को समृद्ध करने के लिए किया जाता है। बोहड़ा अपने आप में एक संस्था है, क्योंकि यह मेलजोल, धर्म, कला, नृत्य रूपों, संगीत, सामाजिक संबंधों, अनुष्ठान, मिथकों, इतिहास, नाटक, मौसमी चक्र, सामाजिक एकजुटता बनाये रखने में समाज की युवा पीढ़ी की संस्कृति को जीवंत रखने हेतु एक मंच है। यह ग्राम के संगठनात्मक क्षमता और सांस्कृतिक तथा बहु-जातीय एकता को बढ़ावा देता है। यह एक सामाजिक शक्ति रूप में ग्राम के लोगों को एक जुट करता है।

सभी सोहंग उनके देवी-देवताओं के वर्ण, स्वभाव और मानवता को बनाए रखने में शक्तियों की भूमिका एवं सभी अनुष्ठानिक प्रक्रियाओं के क्रम को नियमित करते है साथ ही इसके साथ सोहंग से जुडे मिथकों को मौसमी चक्र और आर्थिक संगठनों के आधार पर व्यवस्थित त्योहारों के माध्यम से अभिनय, गायन और नृत्य प्रतिमा द्वारा समुदायों को साथ समन्वय करके अन्य समुदायों के साथ सामाजिक एकता को बनाये रखते हुए अपने पारंपरिक कला रूपों को संरक्षित कर सांस्कृतिक विरासत को सहेजे हुए हैं।

पौराणिक पात्रों का मुखौटा

बोहड़ा-सोहंग
Bohada-Sohang

Mask of Mythological character

आरोहण क्रमांक/Accession No.

93.129

ऊँचाई – 56 से. मी. व चौड़ाई – 43 से. मी.
Height 56 c.m.& Breadth - 43 c.m.

INTRODUCTION - Jawhar village in Thane district of Maharashtra has the culture of preparing wooden masks known as Sohang represent the mythological characters for Bohada festival. The Bohada Mask dance festival is an institution in itself, as it is a platform to socialize and enculturate the younger generation about religion, art, dance forms, music, social relations, rituals, myths, history, drama, seasonal cycle, social solidarity and so on. It enhances organizational ability of the village and promotes cultural and multi-ethnic solidarity. It is a social force that binds and brings people together. It is a platform for enriching the process of enculturation and socialization for the younger tribal generations.

Through Bohada Sohang (mask) festival youngsters learn all about mask's characters, their nature and role in sustaining humanity and the powers possessed by gods and goddesses and myths associated with them, while learning about seasonal cycles and economic organisations, developing social relationships, the processes and sequence of rituals and to organise the festival. The youngsters preserve and promote their traditional art forms by training for acting, singing and dancing talents for Bohada Sohang Festival. In the festival they get opportunities to enhance their ability to interact and co-ordinate with other tribal and non-tribal communities and to strengthen social solidarity within the village, as well as with other communities.

सामग्री, औजार एवं निर्माण/ MATERIAL AND PREPARATION OF SOHANG

सोहंग (मुखौटे) का निर्माण होली के पश्चात होने वाले बोहड़ा महोत्सव हेतु लगभग 1 माह पूर्व से प्रारंभ करते है। इसका निर्माण गाँव के मुखिया एवं सोहंग निर्माण में निपुण कलाकार द्वारा निशुल्क किया जाता है। सोहंग के निर्माण में मुख्यतः सागोन की लकड़ी में लोहे के नुकीले औजार से खरादकर पौराणिक पात्रों के चेहरे उकेरे जाते हैं, तत्पश्चात लकड़ी के बुरादो एवं डिंग (गोंद) से भरकर रेतमल कागज से घिसकर चिकना करते है एवं उसके ऊपर रंग लगाकर सुखाते है। बोहड़ा नृत्य में कुल 52 पात्रों के सोहंग होते है प्रत्येक सोहंग को गाँव के अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा कलाकारों से बनवाया जाता है और इसे अपनी पैत्रिक संपत्ति के रूप में घर में रखा जाता है और इसी परिवार का कोई सदस्य इस सोहंग' को धारण कर बोहड़ा नृत्य में उस पात्र का अभिनय एवं नृत्य करता है।

Resources:
AYUSH; www.adiyuva.in

The preparation of Sohangs (masks) commence a month prior to the festival, which is organised after Holi. The masks are prepared by village chief and protégé in Sohang making for free of cost. Sohangs (masks) are prepared by carving the face of the mythological character on Saagon wood using sharp carving tools, later the sawdusk mixed with natural adhesive is filled in, followed by chafing it with sand paper and later paint the facial features and decorate. The purpose of Bohada is to show gratitude to the Village Goddess (Gaon Devi) including all other Gods and Goddesses. There are total 52 Sohang and each Sohang (Mask) is prepared and maintained by one family, where it is considered as an asset of the family. One member from the family plays the role of the mask character in Bohada Festival.

धारणाएं एवं प्रचलन/ SOCIAL BELIEF AND PRACTICES

सोहंग को कोकणा जनजातियों द्वारा 'बोहड़ा' अनुष्ठानिक नृत्य नाटक के समय धारण किया जाता है। यह नृत्य मांगलिक अवसरों पर प्रसन्नता की अभिव्यक्ति तथा धार्मिक अनुष्ठानो के अवसर पर अराध्य देव को प्रसन्न करने का एक माध्यम है। इस सोहंग को धारण करके कोकणा जनजाति के लोग ग्राम देवी एवं अन्य देवी देवताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते है। यह जनजातीय नृत्य सामान्य तौर पर इस क्षेत्र के पूरे जनजातीय समाज की अभिव्यक्ति को प्रस्तुत करते है।

'Sohang' is worn by Kokna tribe on the occasion of ceremonial 'Bohada' dance drama festival. This dance is an expression of happiness performed on auspicious and religious ceremonies. It is a way to please God. By wearing Sohang, people of Kokna tribe pay tribute to the village goddess and other deities. Bohada dance is the general expression of the whole population of this tribal region. Sohang dance is related to religious traditions, which includes goddesses, gods, demons, positive-negative powers, etc., are part of the tribal world. If 'Sohang' is seen as craft in totality it is a world in itself.